[Shri F. A. Ahmed]

ing awards for gallantry it was agreed that lands covered by granted made since independence should be examined. The question of continuing to exempt grants made prior to independence will be examined further. About orchard the general concensus was that the ceiling limit of a person who owned orchards, whether or not in addition to other land, may be increased by 2 hectares or the actual area of the land comprised in orchards, whichever is less. Some Chief Ministers thought that there might be higher relaxation by computing the area under orchards as for dry lands. The State Governments which have serious difficulties in enforcing the ceiling in respect of orchards will individually discuss the matter further with the Government of India.

6. It was agreed that all other exemptions should be withdrawn.

---

12.58 hrs.

## MATTER UNDER RULE 377

### M. P. CHIEF MINISTER'S REPORTED STATEMENT ABOUT JAN SANGH HAVING RECEIVED MONEY FROM U. S. CONSULATE DURING ELECTIONS

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर): अध्यक्ष महोदय, मुझे खेद है कि 13 अप्रैल को जब हमारे मित्र श्री समर गुह ने मध्य प्रदेश से मुख्य मंत्री श्री प्रकाशचन्द्र सेठी के इस आरोप का हवाला दिया था कि चुनाव के दिनों में जब अमरीकन कौंसल जनरल मध्य प्रदेश के दौरे पर आये थे, उन्होंने जन संघ के उम्मीदवारों से सम्पर्क स्थापित किया और उन्हें पैसा दिया, उस दिन मैं सदन में नहीं था। मैंने जानकारी प्राप्त की है और मैं इस आरोप का खण्डन करना चाहता हूं। यह आरोप असत्य है, निराधार है, शरारतपूर्ण है और विद्वेष से भरा हुआ है। भारतीय जन संघ का कोई भी उम्मीदवार अमरीकन कौंसल जनरल से नहीं मिला, धन लेने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। विदेशों से धन लेकर चुनाव लड़ने के बजाय हम राजनीति से सन्यास लेना ज्यादा पसन्द करेंगे। विदेश के धन से राजनीति चलाना हम अपराध समझते हैं। इस तरह की खबरों का आना हमारी देशभक्ति के लिए चुनौती है। सच्चाई तो यह है कि जो अमरीकन कौंसल जनरल आये वह मध्य प्रदेश सरकार की जानकारी में आये। मध्य प्रदेश की यात्रा का उनका कार्यक्रम मध्य प्रदेश के चीफ सेक्रेट्री ने बनाया। वह गवर्नर से मिलने गये। मध्य प्रदेश के गवर्नर ने उनको पत्र लिखा। वह जहां जहां गये, सरकारी अधिकारी उनके साथ थे। वह धार गये तो धार के भी कलेक्टर उनके साथ थे। वह जंगली जानवरों को देखने गये तो फारेस्ट आफीसर उनके साथ थे। मध्य प्रदेश के मुख्य मंत्री को चाहिए कि वह अपनी सरकार से पता लगायें। हो सकता है पुराने मुख्य मंत्री के जमाने में अमरीकन कौंसल जनरल का वहां का कार्यक्रम बना हो। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अपनी सरकार से बिना पता लगाये ही वह किसी विरोधी दल पर अनगल आरोप लगाये। यह कीचड़ उछालना बन्द होना चाहिए। चुनाव समाप्त हो गये। अब एक और विरोधी दलों से अपील की जा रही है कि वह राष्ट्र के निर्माण में हिस्सा बटायें और साथ ही दूसरी ओर कमर के नीचे वार करने की प्रक्रिया चल रही है। मैं समझता हूं कि यह प्रक्रिया बन्द होनी चाहिए।

मैं रेकार्ड को सीधा रखने के लिए इस बात का खण्डन कर रहा हूं।